Need to establish National Rural Bank of India-Laid

श्री जगदम्बिका पाल **(**डुमरियागंज**) :** मै सरकार का ध्यान RRBs Act,1976 के तहत स्थापित RRBs की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ । तब से लेकर आज तक ग्रामीण बैंक देश के 26 राज्यों तथा 3 केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी 22,000 से अधिक शाखाओं के माध्यम से लगभग 40 करोड़ निर्धन जनता की आर्थिक जरूरतों को पूरा कर रही हैं । ग्रामीण बैंकों का वर्तमान में आरक्षित लाभ लगभग 40,000/- करोड़ रुपये है तथा 50,000 करोड़ रूपये net worth हैं । ग्रामीण बैंकों के स्वामित्व का विभाजन इस प्रकार है- भारत सरकार- 50%, संबन्धित राज्य सरकार 15%, तथा संबन्धित प्रायोजक बैंक- 35% । आज देश मे 12 स्पान्सर बैंक हैं जो कि देश के 43 ग्रामीण बैंक को प्रायोजन करने का काम करते हैं जिसमे Bank of India तथा Bank of Baroda भी हैं जो कि राज्यों मे अल्प संख्या में हैं जैसे UP- 3, Andra Pradesh- 3, Gujrat- 2, Karnataka ? 2, Haryana- 1, Mizoram- 1, Kerala- 1, मै यह मांग करता हूं कि- 40 करोड़ लोगों की सुविधा के लिए केन्द्रीय स्तर पर ?भारतीय राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक? (NRBI) की स्थापना की जानी चाहिए जो कि इन सभी बैंकों को एक मुख्य अथॉरिटी के रूप मे संचालित करे, जिससे यह अलग अलग स्पान्सर बैंक के संचालन से बाहर आ सके । इन बैंकों मे व्यवसाय वृद्धि के अनुसार नई भर्ती हेतु निर्धारित नियमों के तहत अविलंम्ब नई भर्ती व प्रमोशन की प्रक्रिया तेज की जानी चाहिए तथा अस्थायी रूप से सेवा दे रहे 20,000 से अधिक स्टाफ को स्थायी किया जाना चाहिए ।